एम॰ ए॰ हिन्दी – प्रथम वर्ष
(दूरस्थ प्रणाली)

सत्रीय कार्य

2018–19

दूरस्थ शिक्षा एवं अधिगम केन्द्र
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
मौलाना मौहम्मद अली जौहर मार्ग
नई दिल्ली – 110025

विद्यार्थी सत्रीय कार्य
सत्र– 2018–19
निर्देश

विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है कि वे निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उनका अनुसरण करें।

- प्रत्येक वर्ष कार्यक्रम के हर पाठ्यक्रम का एक पूर्ण सत्रीय कार्य प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

- पूर्ण सत्रीय कार्य , निर्धारित सत्रीय कार्य पुस्तिकाओं में स्वयं विद्यार्थी द्वारा अथवा डाक द्वारा स्टडी सेंटर/प्रोग्राम कॉर्डिनेटर, **दूरस्थ शिक्षा एवं अधिगम केन्द्र जामिया मिल्लिया इस्लामिया** को एकेडेमिक कलेंडर **2018–19** में दी गई तिथियों के अनुसार जमा करना अनिवार्य है।

- एकेडेमिक कलेंडर **2018–19** में दी गई तिथियों के बाद सत्रीय कार्य जमा करने के लिए रु. **100/–** प्रति सत्रीय कार्य की फीस डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा दी जाए। यह डिमांड ड्राफ्ट **जामिया मिल्लिया इस्लामिया** के नाम पर हो जो कि नई दिल्ली पर देय हो।

- भूतपूर्व विद्यार्थी जो कि प्रोग्राम के दौरान सत्रीय कार्य जमा करने में असफल रहे हों, उन्हे रु॰ **200/–** प्रति सत्रीय कार्य फीस डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा जमा की जाए। यह डिमांड ड्राफ्ट **जामिया मिल्लिया इस्लामिया** के नाम पर हो जो कि नई दिल्ली पर देय हो।

- सत्रीय कार्य पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर विद्यार्थी अपना नाम, रोल नम्बर एवं अन्य जानकारी आवश्यकता के अनुसार लिखें।

- अपने सत्रीय कार्य की प्रतिलिपि अपने रिकॉर्ड हेतु विद्यार्थी अपने पास रखें।

- विद्यार्थी अपने जाचे गए सत्रीय कार्य प्राप्त करने हेतु अपने स्टडी सेंटर/प्रोग्राम कॉर्डिनेटर के सम्पर्क में रहें।

- कृपया अपनी कार्यक्रम निर्देशिका का अध्ययन ध्यान पूर्वक करें।

एम॰ ए॰ हिन्दी

पाठ्यक्रम का विषय : काव्यशास्त्र एवं साहित्य दृष्टि **विषय क्रमांक–एम.एच.डी.–01**
सत्रीय कार्य–2018–19 **अधिकतम अंक : 30**

निर्देश : निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. ध्वनि सिद्धान्त की विस्तृत चर्चा कीजिए।
2. कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त क्या है? सविस्तार उल्लेख कीजिए।
3. प्रगतिशील हिन्दी आलोचना की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।
4. अस्तित्वाद क्या है? अस्तित्वाद की अवधारणा को विस्तार से लिखिए।
5. हिन्दी आलोचना में नन्ददुलारे वाजपेयी के योगदान की समालोचना कीजिए।

पाठ्यक्रम का विषय : हिन्दी साहित्य का इतिहास **विषय क्रमांक–एम.एच.डी.–02**
सत्रीय कार्य–2018–19 **अधिकतम अंक : 30**

निर्देश : निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. हिन्दी साहित्य के इतिहाय के काल–विभाजन और नामकरण के सम्बन्ध में विभिन्न विद्वानों के मतों की समीक्षा कीजिए।
2. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य में अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. द्विवेदीयुगीन काव्य प्रवृत्तियों को उदाहरण सहित लिखिए।
4. भक्ति–आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि की चर्चा कीजिए।
5. हिन्दी गद्य की विकास–यात्रा पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

पाठ्यक्रम का विषय : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **विषय क्रमांक–एम.एच.डी.–03**
सत्रीय कार्य–2018–19 **अधिकतम अंक : 30**

निर्देश : निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
2. आदिकालीन रचनाकार विद्यापति के काव्य की विशेषताएँ बताइए।
3. कबीर के काव्य में निहित सामाजिक चेतना की विवेचना कीजिए।
4. सूरदास शृंगार के कवि हैं। भ्रमरगीत के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
5. बिहारी के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

एम॰ ए॰ हिन्दी

पाठ्यक्रम का विषय : नवजागरण एवं छायावाद **विषय क्रमांक–एम.एच.डी.–04**
अधिकतम अंक : 30

निर्देश : निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को सोदाहरण लिखिए।
2. 'रोवहु सब आवहु भारत भाई' में प्रतिबिम्बित राष्ट्रीय भावना को उद्घाटित कीजिए।
3. 'वर दे वीणावादिनी वर दे' कविता की व्यवहारिक समीक्षा कीजिए।
4. सुमित्रा नन्दन 'पंत' के काव्य की विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए।
5. 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का विषय : (क) कबीर **विषय क्रमांक–एम.एच.डी.–05**
सत्रीय कार्य–2018–19 **अधिकतम अंक : 30**

निर्देश : निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. कबीर की कविता में निहित लोक मान्यतओं का विश्लेषण कीजिए।
2. कबीर के काव्य में ज्ञान और प्रेम का समन्वय है। स्पष्ट कीजिए।
3. कबीर के काव्य में अभिव्यक्त प्रतिरोध की चेतना को सोदाहरण लिखिए।
4. कबीर के भक्ति दर्शन का विश्लेषण कीजिए।
5. कबीर के काव्य का भाषायी दृष्टि से समालोचना कीजिए।

पाठ्यक्रम का विषय : (ख) भारतेन्दु **विषय क्रमांक–एम.एच.डी.–05**
सत्रीय कार्य–2018–19 **अधिकतम अंक : 30**

निर्देश : निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के अन्तर्संबंध को स्पष्ट कीजिए।
2. 'सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक में निहित समस्याओं को लिखिए।
3. भारतेन्दु द्वारा रचित कविताओं में निहित व्यंग्य को सोदाहरण बताइए।
4. 'नील देवी' नाटक के कथ्य की समालोचना कीजिए।
5. 'स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन' की व्यवहारिक समीक्षा कीजिए।

एम॰ ए॰ हिन्दी

पाठ्यक्रम का विषय : (ग) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' विषय क्रमांक–एम.एच.डी.–05
सत्रीय कार्य–2018–19 अधिकतम अंक : 30

निर्देश : निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. मुक्तिबोध के समीक्षा सिद्धान्तों को विस्तार से लिखिए।
2. 'ब्रह्मराक्षस' कविता की व्यवहारिक समीक्षा कीजिए।
3. 'अँधेरे में' कविता 'अस्तित्व की खोज' है। इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
4. 'एक साहित्यिक डायरी' निबन्ध की समालोचना कीजिए।
5. मुक्तिबोध के पत्रों की विषय–वस्तु लिखिए।